>

Title: Need to provide adequate remuneration to sugarcane growers in Sitapur district of Uttar Pradesh.

श्री अशोक कुमार रावत (मिसरिख): हमारा देश किसानों का देश है तथा हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी खेती पर ही निर्भर है। गांव वासियों का आज भी मुख्य कार्य खेती करना है। लेकिन, आज हमारे देश में विशेषतः उ0प्र0 में गन्ना कृषकों की स्थिति अत्यंत ही दयनीय एवं शोचनीय बनी हुई है। उन्हें गन्ने का लाभकारी मूल्य नहीं मिल पा रहा है। यह सत्य है कि हमारे देश के किसानों को कृषि पारिस्थितिकी की कमी का सामना करना पड़ता है, जिसमें आदानों की उच्च लागत, सिंचाई की अपर्याप्तता, क्रेडिट समस्यायें, अपर्याप्त जानकारी प्रशिक्षण की कमी, पर्यावरण प्रदूषण, पानी और छोटी जोत की कमी, तकनीकी कृषि परिस्थिति इत्यादि समस्यायें शामिल हैं। लेकिन, इन समस्याओं के अतिरिक्त एक ऐसी गंभीर समस्या भी गन्न कृषकों के समक्ष उत्पन्न हो रही है, जो अति दुष्कर है।

देश में विशेषतः उत्तर प्रदेश राज्य की तहसील मिसरिख, जनपद सीतापुर (उ0.प्र0) में रामगढ़ और जवाहरपुर में स्थित चीनी मिलों के प्रबंधकों द्वारा गन्ना खरीद पर्ची गन्न किसानों को सीधे न देकर बीच के कथित दलालों को दी जा रही है और ये कथित दलाल गन्ना खरी पर्ची के माध्यम से किसानों से कम कीमत पर गन्ना खरीदकर मिलों को निर्धारित मूल्य पर गन्ना उपलब्ध करवा रहे हैं। इस प्रकार से गन्ना किसानों का भारी आर्थिक शोषण किया जा रहा है, जिस कारण उनमें भारी आक्रोश व्याप्त है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह देश के गन्ना किसानों विशेषकर उ0प्र0 राज्य के जनपद सीतापुर मे रामगढ़ और जवाहरपुर में स्थित चीनी मिलों द्वारा गन्ना किसानों को सीधे गन्ना खरीद पर्ची की उपलब्धता सुनिश्चित करवाकर उन्हें आर्थिक शोषण से मुक्त किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।